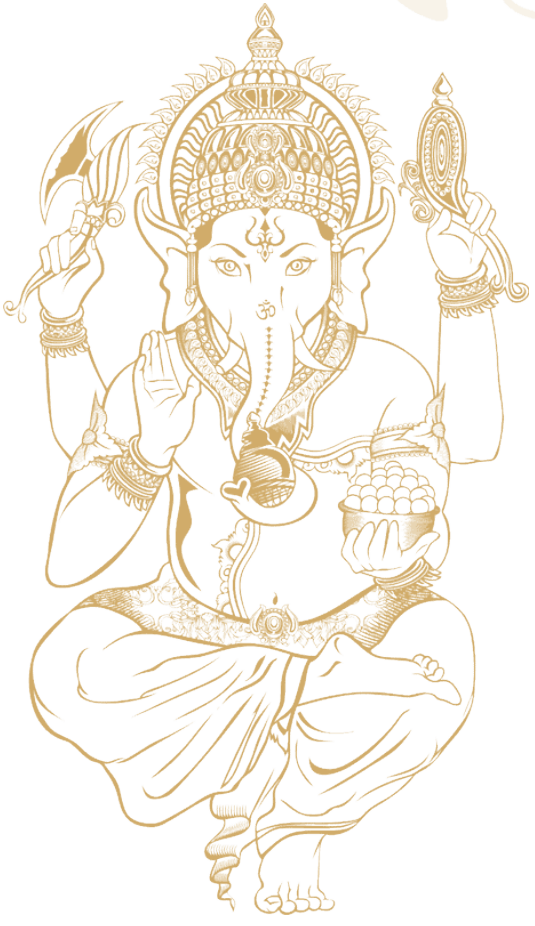

Rohit

05 Jun 2006

07:31 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121511002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/2006**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:31:00 घंटे**
इष्ट	05:19:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:09:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:20 घंटे
सूर्योदय	05:23:09 घंटे
सूर्यास्त	19:16:10 घंटे
दिनमान	13:53:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:21:05 वृष
लग्न के अंश	19:02:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:02:35	315:28:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	20:21:05	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	02:32:01	11:50:42	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	06:50:24	00:36:12	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मिथु	08:54:08	01:43:57	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		तुला	16:27:34	00:05:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	13:42:54	01:10:18	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कर्क	13:29:45	00:05:37	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	07:33:51	00:00:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
केतु			कन्या	07:33:51	00:00:12	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:42:02	00:00:41	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:49:18	00:00:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:46:50	00:01:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:57:34	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:48

लग्न-चलित

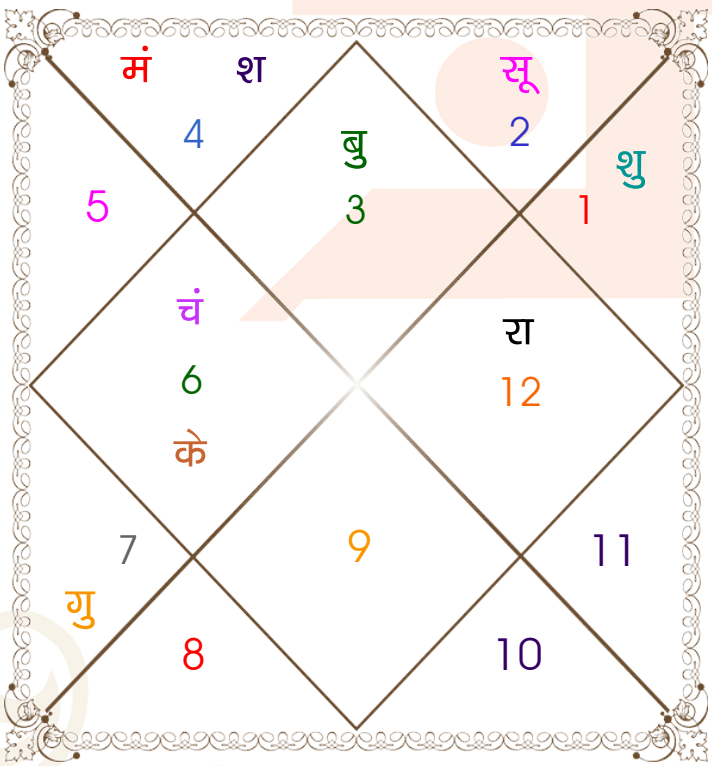

चन्द्र कुंडली

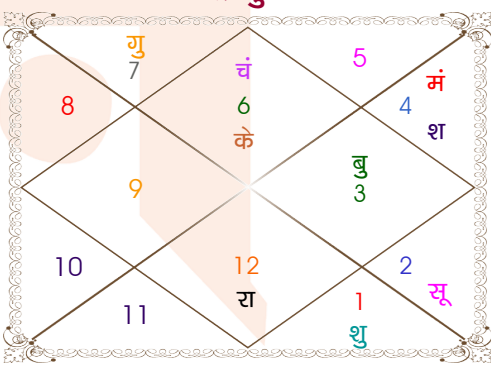

नवमांश कुंडली

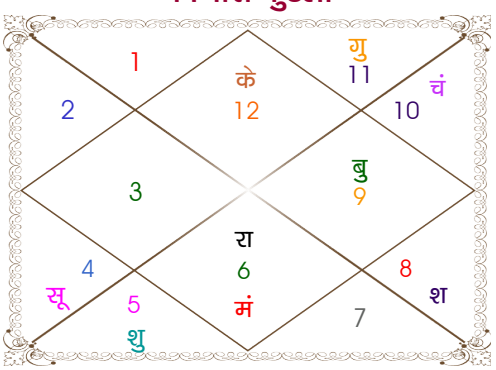

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 4 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/06/2006		14/10/2009		15/10/2019		14/10/2026		14/10/2044	
14/10/2009		15/10/2019		14/10/2026		14/10/2044		14/10/2060	
	00/00/0000	चंद्र	14/08/2010	मंगल	12/03/2020	राहु	26/06/2029	गुरु	02/12/2046
	00/00/0000	मंगल	15/03/2011	राहु	30/03/2021	गुरु	20/11/2031	शनि	14/06/2049
	00/00/0000	राहु	13/09/2012	गुरु	06/03/2022	शनि	26/09/2034	बुध	20/09/2051
	05/06/2006	गुरु	13/01/2014	शनि	15/04/2023	बुध	14/04/2037	केतु	26/08/2052
गुरु	20/08/2006	शनि	15/08/2015	बुध	11/04/2024	केतु	03/05/2038	शुक्र	27/04/2055
शनि	02/08/2007	बुध	13/01/2017	केतु	07/09/2024	शुक्र	03/05/2041	सूर्य	13/02/2056
बुध	08/06/2008	केतु	14/08/2017	शुक्र	07/11/2025	सूर्य	27/03/2042	चंद्र	14/06/2057
केतु	14/10/2008	शुक्र	15/04/2019	सूर्य	15/03/2026	चंद्र	26/09/2043	मंगल	21/05/2058
शुक्र	14/10/2009	सूर्य	15/10/2019	चंद्र	14/10/2026	मंगल	14/10/2044	राहु	14/10/2060

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/10/2060		15/10/2079		14/10/2096		16/10/2103		16/10/2123	
15/10/2079		14/10/2096		16/10/2103		16/10/2123		00/00/0000	
शनि	18/10/2063	बुध	12/03/2082	केतु	12/03/2097	शुक्र	14/02/2107	सूर्य	02/02/2124
बुध	27/06/2066	केतु	09/03/2083	शुक्र	12/05/2098	सूर्य	14/02/2108	चंद्र	03/08/2124
केतु	05/08/2067	शुक्र	07/01/2086	सूर्य	17/09/2098	चंद्र	15/10/2109	मंगल	09/12/2124
शुक्र	05/10/2070	सूर्य	14/11/2086	चंद्र	18/04/2099	मंगल	15/12/2110	राहु	02/11/2125
सूर्य	17/09/2071	चंद्र	14/04/2088	मंगल	14/09/2099	राहु	15/12/2113	गुरु	06/06/2126
चंद्र	17/04/2073	मंगल	11/04/2089	राहु	03/10/2100	गुरु	15/08/2116		00/00/0000
मंगल	27/05/2074	राहु	30/10/2091	गुरु	08/09/2101	शनि	16/10/2119		00/00/0000
राहु	02/04/2077	गुरु	04/02/2094	शनि	18/10/2102	बुध	15/08/2122		00/00/0000
गुरु	15/10/2079	शनि	14/10/2096	बुध	16/10/2103	केतु	16/10/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।